भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 5084

जिसका उत्तर 02 अप्रैल, 2025 को दिया जाना है

ओडिशा में कोयला उत्पादन

5084. श्री प्रदीप पुरोहितः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा ओडिशा में कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या भारत अन्य देशों को कोयला निर्यात करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा कोयले के उत्पादन और निर्यात को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) ओडिशा के स्वच्छ कोयला भंडार की अनुमानित क्षमता कितनी है; और

(ङ) ओडिशा में कोल बेड मीथेन की अनुमानित क्षमता कितनी है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : ओडिशा राज्य सहित देश में कोयला उत्पादन बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं -

i कोयला ब्लॉकों के विकास में तेजी लाने के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा नियमित समीक्षा।

ii कैप्टिव खान स्वामियों (परमाणु खनिजों को छोड़कर) को ऐसी अतिरिक्त राशि के भुगतान पर केन्द्र सरकार द्वारा यथानिर्धारित तरीके से खान से संबद्ध अंत्य उपयोग संयंत्र की आवश्यकता को पूरा करने के बाद खुले बाजार में अपने वार्षिक खनिज (कोयला सहित) उत्पादन का 50% तक बेचने में सक्षम बनाने के लिए खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2021 [एमएमडीआर अधिनियम] का अधिनियमन।

iii कोयला खानों के प्रचालन में तेजी लाने के लिए कोयला क्षेत्र हेतु सिंगल विंडो क्लीयरेंस पोर्टल।

iv कोयला खानों के शीघ्र प्रचालन के लिए विभिन्न अनुमोदन/निकासी प्राप्त करने के लिए कोयला ब्लॉक आबंटितियों की सहायता हेतु परियोजना निगरानी इकाई।

v राजस्व शेयरिंग के आधार पर वाणिज्यिक खनन की नीलामी वर्ष 2020 में शुरू की गई। वाणिज्यिक खनन स्कीम के अंतर्गत उत्पादन की निर्धारित तारीख से पूर्व उत्पादित कोयले की मात्रा के लिए अंतिम प्रस्ताव पर 50% की छूट की अनुमति दी गई है। इसके अलावा, कोयला गैसीकरण या द्रवीकरण पर प्रोत्साहन (अंतिम प्रस्ताव पर 50% की छूट) भी दिए गए हैं।

vi कोयले के उपयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं होने, बोली प्रक्रिया में नई कंपनियों को भाग लेने की अनुमति देने, अग्रिम राशि को कम करने, मासिक भुगतान हेतु अग्रिम राशि के समायोजन, कोयला खानों को प्रचालनात्मक बनाने के लिए लचीलापन को बढ़ावा देने हेतु उदार दक्षता मापदंड, पारदर्शी बोली प्रक्रिया, ऑटोमैटिक रूट के माध्यम से 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और राष्ट्रीय कोयला सूचकांक पर आधारित राजस्व शेयरिंग मॉडल के साथ वाणिज्यिक कोयला खनन की निबंधन एवं शर्तें बहुत उदार हैं।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, कोयला कंपनियों ने घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम भी उठाए हैं:

i. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कोयला उत्पादन में वृद्धि करने के लिए अनेक उपाय किए हैं। सीआईएल अपनी भूमिगत (यूजी) खानों में, जहां भी व्यवहार्य हो, मुख्यतः सतत खनिकों (सीएम) के साथ व्यापक उत्पादन प्रौद्योगिकियां (एमपीटी) अपना रही है। सीआईएल ने परित्यक्त/बंद खान की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए हाईवॉल (एचडब्ल्यू) खानों की भी योजना बनाई है। सीआईएल, जहां भी व्यवहार्य हो, बड़ी क्षमता वाली यूजी खानों की भी योजना बना रही है। सीआईएल की अपनी ओपनकास्ट (ओसी) खानों में पहले से ही उच्च क्षमता वाले एक्सकेवेटरों, डम्परों और सतही खनिकों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है।

ii. सिंगरैनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) द्वारा नई परियोजनाओं की स्थापना करने और मौजूदा परियोजनाओं के प्रचालन के लिए नियमित संपर्क किया जा रहा है। एससीसीएल ने कोयले की निकासी के लिए कोल हैंडलिंग प्लांट्स (सीएचपी), क्रशर, मोबाइल क्रशर, प्री-वे-बिन्स आदि जैसी अवसंरचना विकसित करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

(ख) : पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष (दिसंबर, 2024 तक) के दौरान देश द्वारा किए गए कोयले के निर्यात का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(आंकड़े मिलियन टन में)

वर्ष	कोयला निर्यात की मात्रा
2019-20	1.030
2020-21	2.945
2021-22	1.316
2022-23	1.166
2023-24	1.545
2024-25 (दिसंबर, 2024 तक) (अनंतिम)	1.370

(ग) : कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख उत्तर के भाग (क) में दिया गया है। कोयले के निर्यात के संबंध में, कोयला कंपनियां घरेलू मांग को पूरा करने के बाद कोयले के निर्यात के लिए पड़ोसी देशों द्वारा आमंत्रित निविदाओं में भाग ले सकती हैं। पड़ोसी देशों के व्यापारी/कोयला उपभोक्ता सीआईएल की विशेष स्पॉट ई-नीलामी/स्पॉट ई-नीलामी विंडो में भी भाग ले सकते हैं।

(घ) : स्वच्छ कोयला भंडार का अनुमान लगाने के लिए कोई विशिष्ट अवधारणा नहीं है। तथापि, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा प्रकाशित ''भारतीय कोयला और लिग्नाइट संसाधन-2024'' के अनुसार दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार ओडिशा राज्य में कोयला संसाधन निम्नानुसार हैं:

(आंकड़े मिलियन टन में)

राज्य	मापित	निर्दिष्ट	अनुमानित	कुल
ओडिशा	53799.43	39053.01	6351.39	99203.83

(ङ) : पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार, ओडिशा में अनुमानित कोल बेड मीथेन लगभग 243.52 बीसीएम (बिलियन घन मीटर) है।

*****